विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

एम्.ए. प्रथम सेमेस्टर

2021-22

नवीन शिक्षा नीति २०२० के अनुरूप

संस्कृत

CBCS PATTERN

SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT, JYOTIRVIGYAN & VED
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER-I [M.A. SANSKRIT]
CBCS PATTERN

SUBJCET CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	TOTAL MARKS
	SCC-01	वेद	05	5 Hrs.	60	40	100
	SCC-02	वेदाङ्ग	05	5 Hrs.	60	40	100
	SCC-03	काव्य	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC - 01	(i) पालि, प्राकृत तथा भाषा विज्ञान	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC - 01	(ii) अर्थशास्त्र (कौटिल्लीय)	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC - 01	(iii) जैन, चार्वाक एवं बौद्ध दर्शन	05	5 Hrs.	60	40	100
	EDC - 01	Entrepreneurship Development	04	4 Hrs.	48	32	80
	P - 01	Seminar (Practical)	02	2 Hrs.			40
	SVV - 01	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	04				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (SCC). CORE ELECTIVE COURSE (SEC)

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD) COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (SVV)

नोट - १. विषय समूह SCC - 01, SCC - 02, SCC - 03 लेना अनिवार्य है।

२. विषय समूह SEC - 01 (i), SEC - 01 (ii), SEC - 01 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

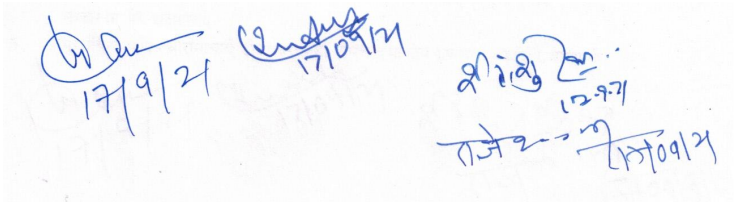

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SCC - 01

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वेद

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को वैदिक साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 ऋग्वेद सूक्त - 1. अग्नि 1.1 ; 2. वरुण 1.25 ; 3. सूर्य 1.125 ; 4. इन्द्र 2.12 ; 5. इन्द्र 2.12 ; 6. विश्वामित्रनदी संवाद 3.33 ; 7. पर्जन्य 5.83 ; 8. अक्ष 10.34 ; 9. ज्ञान 10.71; 10 . पुरुष 10.90 ; 11 . हिरण्यगर्भ 10.121; 12 . वाक् 10.125 ; 13. नासदीय 10.129
(चार मन्त्र दिये जायेंगे उनमें से किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या करना होगी – 4 + 4)

इकाई – 2 यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद के सूक्त
1. योगक्षेम (यजु.) 22.22 ; 2. प्रजापति (यजु.) 32.1-5 ; 3. शिवसङ्कल्प (यजु.) 34.1-6 ; 4. सोम (साम.) 6.1.4 ; 5. राष्ट्राभिवर्धन (अथर्व.) 1.29 ; 6.काल (10.53) ; 7. पृथिवी (अथर्व.) 12.1
(चार मन्त्र दिये जायेंगे उनमें से किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या करना होगी – 4 + 4)

इकाई – 3 ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषद् - 1. वाङ्मनस् संवाद, शतपथ ब्राह्मण 1.4.5.89.13 ; 2. पञ्चमहायज्ञ, तैत्तिरीय आरण्यक 11.10 ; 3. ईशावास्योपनिषद्
(कोई चार प्रश्न अथवा टिप्पणियाँ पूछी जायेगीं उनमें से किन्हीं दो का उत्तर देना होगा – 4 + 4)

इकाई – 4 ऋग्वेदभाष्यभूमिका – सायणाचार्य (व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 5 वैदिक साहित्य तथा संस्कृति
संहिता साहित्य , ब्राह्मण साहित्य , आरण्यक साहित्य , उपनिषद् साहित्य , वैदिक काल निर्णय तथा वैदिक संस्कृति के विस्तृत पक्ष का अध्ययन
(दो प्रश्न पूछे जायेंगे किसी एक का उत्तर देना होगा)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ – 1. न्यू वैदिक सिलेक्शन भाग – 1 एवं 2 ब्रजबिहारी चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी

2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी

3. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. गजानन शास्त्री एवं डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

4. ऋग्वेदभाष्यभूमिका – सायणाचार्य , चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SCC - 02

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वेदाङ्ग

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वेदाङ्ग-साहित्य के मूलस्वरूप से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वेदाङ्ग-साहित्य के वर्गीकरण , व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वेदाङ्ग-साहित्य के मूलस्वरूप की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वेदाङ्ग-साहित्य के वर्गीकरण , व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **निरुक्त – प्रथम अध्याय तथा द्वितीय अध्याय** (व्याख्या एवं निर्वचन)

इकाई –2 **निरुक्त - सप्तम अध्याय** (व्याख्या एवं निर्वचन)

इकाई –3 **पाणिनीयशिक्षा** (व्याख्या एवं विवेचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 4 **ऋक् प्रातिशाख्य – संज्ञापटल** (व्याख्या एवं विवेचनात्मक प्रश्न)

इकाई –5 **वेदाङ्ग साहित्य , वैदिक स्वर तथा वैदिक व्याख्या पद्धति**

वेदाङ्ग साहित्य का विस्तृत अध्ययन ; वैदिक स्वर : उदात्त, अनुदात्त तथा स्वरित ;

वैदिक व्याख्या पद्धति : प्राचीन तथा अर्वाचीन

(किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी 4 + 4)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. निरुक्त – उमाशङ्कर शर्मा ऋषि
2. निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञान मण्डल, वाराणसी
3. पाणिनीयशिक्षा–भाष्यकार - डॉ. बच्चूलाल अवस्थी, हिन्दी व्या. - डॉ. बालकृष्ण शर्मा, कालिदास अकादमी, उज्जैन
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय
5. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. ऋक् प्रातिशाख्य - शौनक चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SCC - 03

प्रश्नपत्र का शीर्षक – काव्य

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को लौकिक संस्कृत-साहित्य के स्वरूप से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को लौकिक संस्कृत-साहित्य के काव्यगत वर्गीकरण , व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी लौकिक संस्कृत -साहित्य के स्वरूप की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी लौकिक संस्कृत-साहित्य के काव्यगत वर्गीकरण , व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **मेघदूतम् (पूर्वमेघ)**
(दो पद्यों की विकल्प सहित व्याख्या एवं मेघदूत पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 2 **मेघदूतम् (उत्तरमेघ)**
(दो पद्यों की विकल्प सहित व्याख्या एवं मेघदूत पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 3 **कुमारसम्भवम् – पञ्चम सर्ग**
(एक पद्य की विकल्प सहित व्याख्या एवं कुमारसम्भव पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 4 **नीतिशतकम् (1 - 50 पद्य पर्यन्त)**
(एक पद्य की विकल्प सहित व्याख्या एवं नीतिशतक पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई – 5 **नीतिशतकम् (51 - 100 पद्य पर्यन्त)**
(एक पद्य की विकल्प सहित व्याख्या एवं नीतिशतक पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ – --

1. मेघदूतम् – कालिदास
2. कुमारसम्भवम् – कालिदास
3. नीतिशतकम् – भर्तृहरि
4. महाकवि कालिदास – रमाशङ्कर तिवारी
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
6. कालिदास : अपनी बात – डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी
7. कालिदासमीमांसा – डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 **प्रश्नपत्र** - SEC - 01 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – पालि, प्राकृत तथा भाषा विज्ञान

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पालि, प्राकृत भाषा के साहित्य तथा भाषा विज्ञान के स्वरूप से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पालि, प्राकृत भाषा के साहित्य तथा भाषा विज्ञान की शाखाएं, महत्त्व तथा भारतीय भाषाशास्त्रीय चिन्तन आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी पालि, प्राकृत भाषा के साहित्य तथा भाषा विज्ञान के स्वरूप की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी पालि, प्राकृत भाषा के साहित्य तथा भाषा विज्ञान की शाखाएं, महत्त्व तथा भारतीय भाषाशास्त्रीय चिन्तन आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **पालि** - बावेरुजातकम्, महाभिनिवक्खनम्, धम्मपदसंगहो, मायादेविया सुपिनं
(संस्कृत छाया तथा अनुवाद)

इकाई –2 **प्राकृत** - खारवेलस्य हाथी गुम्फा गुहाभिलेख, गाहासत्तसई, कर्पूरमञ्जरी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(उपर्युक्त दोनों इकाइयों के पाठ्यांश पालि-प्राकृत-अपभ्रंश सङ्ग्रह से निर्धारित है)

इकाई –3 **भारतीय भाषाशास्त्रीय चिन्तन**
पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि, भर्तृहरि, वामनजयादित्य, भट्टोजिदीक्षित,
नागेशभट्ट ,जैनेन्द्र ,कैयट, शाकटायन , हेमचन्द्रसूरि , सारस्वतव्याकरणकार।

इकाई – 4 **भाषा का स्वरूप तथा भारोपीय भाषा परिवार**
भाषा का स्वरूप एवं परिभाषा, भारोपीय भाषा परिवार,
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश)

इकाई –5 **ध्वनिविज्ञान एवम् अर्थविज्ञान एवं वाक्यविज्ञान**
ध्वनिविज्ञान – वाग्यन्त्र, ध्वनिपरिवर्तन, ध्वनियों का वर्गीकरण एवं ध्वनि नियम
अर्थविज्ञान – अर्थावबोध – सङ्केतग्रह, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद
अर्थपरिवर्तन दिशाएँ एवं कारण
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. पालि-प्राकृत-अपभ्रंश सङ्ग्रह – रामअवध पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
4. भाषाविज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
5. वाक्त्रयी – डॉ. अच्युतानन्द दाश, संस्कृत परिषद्, संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 01 (ii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – अर्थशास्त्र (कौटिलीय)

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय राजशास्त्रीय चिन्तन से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय राजशास्त्रीय चिन्तन की परम्परा तथा कौटिलीय अर्थशास्त्र में निरूपित महत्त्वपूर्ण राजशास्त्रीय विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी प्राचीन भारतीय राजशास्त्रीय चिन्तन की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी प्राचीन भारतीय राजशास्त्रीय चिन्तन की परम्परा तथा कौटिलीय अर्थशास्त्र में निरूपित महत्त्वपूर्ण राजशास्त्रीय विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **कौटिल्य के पूर्ववर्ती अर्थशास्त्रकार, कौटिलीय अर्थशास्त्र का प्रतिपाद्य विषय**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **अर्थशास्त्र का रचनाकाल, अर्थशास्त्र और उसकी परम्परा**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **परवर्ती साहित्य पर अर्थशास्त्र का प्रभाव, आचार्य कौटिल्य का राजशास्त्रीय चिन्तन**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **कौटिलीय अर्थशास्त्र - प्रथम अधिकरण**
(प्रारम्भ से 'राजर्षिवृत्त' - षष्ठ अध्याय पर्यन्त)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **कौटिलीय अर्थशास्त्र - प्रथम अधिकरण**
('अमात्यनियुक्ति' - सप्तमाध्याय से 'गूढपुरुषप्रणिधि' एकादश अध्याय पर्यन्त)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. कौटिलीय अर्थशास्त्र - व्याख्याकार - वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 01 (iii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – जैन, चार्वाक एवं बौद्ध दर्शन

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अवैदिक दार्शनिक चिन्तन से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अवैदिक दार्शनिक चिन्तन की परम्परा तथा तत्तत् सम्प्रदायों में निरूपित महत्त्वपूर्ण विविध दार्शनिक सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अवैदिक दार्शनिक चिन्तन की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अवैदिक दार्शनिक चिन्तन की परम्परा तथा तत्तत् सम्प्रदायों में निरूपित महत्त्वपूर्ण विविध दार्शनिक सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **चार्वाक दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **बौद्ध दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **बौद्ध दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **जैन दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **जैन दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. सर्वदर्शन सङ्ग्रह - डॉ. उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन - आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
3. भारतीय दर्शन - डॉ. जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

एम्.ए. द्वितीय सेमेस्टर

2021-22

नवीन शिक्षा नीति २०२० के अनुरूप

संस्कृत

CBCS PATTERN

SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT, JYOTIRVIGYAN & VED
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER-II [M.A. SANSKRIT]
CBCS PATTERN

SUBJCET CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	TOTAL MARKS
	SCC-04	भारतीय दर्शन	05	5 Hrs.	60	40	100
	SCC-05	स्मृति एवं पुराण	05	5 Hrs.	60	40	100
	SCC-06	काव्यशास्त्र	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC-02	(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC-02	(ii) मीमांसा दर्शन	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC-02	(iii) शैव दर्शन	05	5 Hrs.	60	40	100
	EDC - 02	Communication Skills	04	4 Hrs.	48	32	80
	P - 02	Group Diss. (Practical)	02	2 Hrs.			40
	SVV - 02	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	04			-	80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (SCC). CORE ELECTIVE COURSE (SEC)

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD) COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (SVV)

नोट - १. विषय समूह SCC - 02, SCC - 03, SCC - 04 लेना अनिवार्य है।

२. विषय समूह SEC - 02 (i), SEC - 02 (ii), SEC - 02 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SCC - 04

प्रश्नपत्र का शीर्षक – भारतीय दर्शन

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को भारतीय दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय दर्शन साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **तर्कभाषा - आचार्य केशव मिश्र**

पदार्थ, कारण, प्रमाणलक्षण तथा प्रत्यक्ष

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **तर्कभाषा - आचार्य केशव मिश्र**

अनुमान, प्रामाण्यवाद , उपमान तथा शब्द

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **साङ्ख्यकारिका** (सम्पूर्ण) - **आचार्य ईश्वरकृष्ण**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **वेदान्तसार - आचार्य सदानन्द योगीन्द्र**

अनुबन्धचतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप, अपवाद, लिङ्गशरीरोत्पत्ति, पञ्चीकरण, विवर्त, जीवन्मुक्ति

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **अर्थसङ्ग्रह - आचार्य लौगाक्षिभास्कर**

धर्मलक्षण, भावनाविचार, वेदलक्षण, विधिमीमांसा, गुणविधि, विशिष्टविधि, उत्पत्तिविधि, विनियोगविधि, अधिकारविधि, नियमविधि एवं परिसङ्ख्याविधि

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. तर्कभाषा - व्याख्याकार - आचार्य विश्वेश्वर, प्रकाशक - चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

2. तर्कभाषा - व्याख्याकार - गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. साङ्ख्यकारिका - व्याख्याकार - डॉ. विमला कर्णाटक, प्रकाशक - चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली
4. साङ्ख्यकारिका - व्याख्याकार - डॉ. कृष्णमणि त्रिपाठी, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. साङ्ख्यकारिका - व्याख्याकार - प्रो. वन्दना त्रिपाठी, प्रकाशक – शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
6. वेदान्तसार - व्याख्याकार - श्री रामशरण शास्त्री, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7. वेदान्तसार - व्याख्याकार - श्री गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, प्रकाशक - चौखम्बा सीरिज, वाराणसी
8. अर्थसङ्ग्रह - व्याख्याकार - डॉ. दयाशंकर शास्त्री, प्रकाशक चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
9. अर्थसङ्ग्रह - व्याख्याकार - डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, प्रकाशक चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

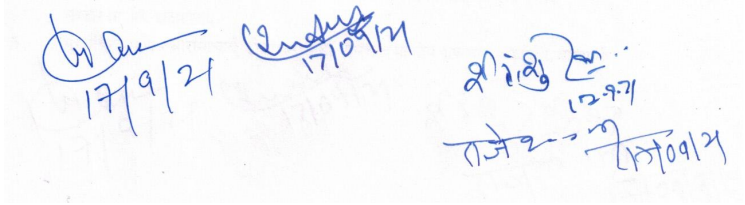

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र -SCC - 05

प्रश्नपत्र का शीर्षक – स्मृति एवं पुराण

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मृति एवं पुराण साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मृति एवं पुराण साहित्य के वर्गीकरण ,व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को स्मृति एवं पुराण साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी स्मृति एवं पुराण साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **मनुस्मृति – प्रथम अध्याय**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **मनुस्मृति – द्वितीय अध्याय**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **मनुस्मृति – सप्तम अध्याय**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **पुराण** - अर्थ, लक्षण एवं सङ्ख्या, पौराणिकसृष्टिविज्ञान, पौराणिक आख्यान

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **स्मृति तथा पौराणिक साहित्य**

प्रमुख स्मृतियों का सामान्य परिचय ; श्रीमद्भागवतपुराण तथा अग्निपुराण का विशेष परिचय

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. मनुस्मृति - व्याख्याकार -डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. मनुस्मृति - व्याख्याकार - श्री काशीनाथ वाजपेयी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. याज्ञवल्क्यस्मृति - व्याख्याकार - डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. पुराणविमर्श - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. अग्निपुराण - व्याख्याकार - आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. धर्मशास्त्र का इतिहास – पी. वी . काणे , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SCC - 06

प्रश्नपत्र का शीर्षक – काव्यशास्त्र

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को काव्यशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को काव्यशास्त्र के वैशिष्ट्य, व्याख्यान तथा तत्तत् प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को काव्यशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी काव्यशास्त्र के वैशिष्ट्य, व्याख्यान तथा तत्तत् प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **प्रमुख काव्यशास्त्रीय चिन्तक एवं सिद्धान्त**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **काव्यप्रकाश - मम्मट** (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय उल्लास)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 (i) **काव्यप्रकाश - मम्मट** (चतुर्थ उल्लास रसभेदपर्यन्त)
(ii) **साहित्य दर्पण - विश्वनाथ** (प्रथम परिच्छेद)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **ध्वन्यालोक - आनन्दवर्द्धन** (प्रथम उद्योत)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **वक्रोक्तिजीवित – कुन्तक** (प्रथम उन्मेष)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. काव्यप्रकाश - डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
3. काव्यप्रकाश - डॉ. सत्यव्रतसिंह, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
4. साहित्यदर्पण - डॉ. लोकमणि दाहाल, चौखम्बा पब्लिशिंग, नई दिल्ली
5. साहित्यदर्पण - डॉ. सत्यव्रतसिंह, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
6. ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7. ध्वन्यालोक - डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
8. ध्वन्यालोक - आचार्य चण्डिकाप्रसाद शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. वक्रोक्तिजीवित – आचार्य परमेश्वरदीन पाण्डेय , चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 02 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – संस्कृत साहित्य का इतिहास

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के इतिहास से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के वर्गीकरण तथा तत्तत् प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित मुख्य विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को संस्कृत साहित्य के इतिहास की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के वर्गीकरण तथा तत्तत् प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित मुख्य विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **रामायण एवं महाभारत**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –2 **महाकाव्य**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –3 **गद्यकाव्य**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **चम्पूकाव्य**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 **नाटक**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - डॉ. वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक - चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
2. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा - डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. संस्कृत नाट्यमीमांसा खण्ड I + II - डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, प्रकाशक - परिमल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
5. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक ऐतिहासिक अध्ययन - डॉ. छविनाथ त्रिपाठी, प्रकाशक चौखम्बा पब्लिशिंग, नई दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 02 (ii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – मीमांसा दर्शन

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मीमांसा दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मीमांसा दर्शन के साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को मीमांसा दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी मीमांसा दर्शन के साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **मीमांसा शास्त्र का स्वरूप**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –2 **मीमांसा शास्त्र का प्रतिपाद्य**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –3 **मीमांसा के प्रमुख सिद्धान्त**

प्रभाकर मत, कुमारिल मत, मुरारि मिश्र मत, भाट्ट मत

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **प्रमाण विचार**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 **आत्मा, ईश्वर एवं मुक्ति**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र, प्रकाशन ब्यूरो, उत्तरप्रदेश सरकार, लखनऊ
2. भारतीय दर्शन – डॉ. राधाकृष्णन, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 02 (iii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – शैव दर्शन

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैव दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैव दर्शन साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को शैव दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी शैव दर्शन साहित्य के वर्गीकरण , व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **शैव दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –2 **प्रत्यभिज्ञा दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –3 **रसेश्वर दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **नकुलीश दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 **पाशुपत दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. सर्वदर्शन सङ्ग्रह - डॉ. उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन - आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
3. भारतीय दर्शन - डॉ. जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

एम्.ए. तृतीय सेमेस्टर

2021-22

नवीन शिक्षा नीति २०२० के अनुरूप

संस्कृत

CBCS PATTERN

SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT, JYOTIRVIGYAN & VED
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER-III [M.A. SANSKRIT]
CBCS PATTERN

SUBJCET CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	TOTAL MARKS
	SCC-07	साहित्यशास्त्र	05	5 Hrs.	60	40	100
	SCC-08	नाट्यशास्त्र	05	5 Hrs.	60	40	100
	SCC-09	महाकाव्य	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC-03	(i) निबन्ध, अनुवाद एवम् अपठित गद्य-पद्य	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC-03	(ii) पुरालिपि एवं अभिलेख	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC-03	(iii) पाणिनि, साङ्ख्य एवं वैशेषिक दर्शन	05	5 Hrs.	60	40	100
	SGEC-01	(i) संस्कृत में विज्ञान	05	4 Hrs.	60	40	100
	SGEC-01	(ii) MOOCs (SWAYAM)	04	4 Hrs.	32	48	80
	EDC-03	Personality Development	04	2 Hrs.	48	32	80
	P-03	Review Writing (Practical)	02	2 Hrs.			40
	SVV-03	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	04				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (SCC). CORE ELECTIVE COURSE (SEC)

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD) COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (SVV)

नोट - 1. विषय समूह SCC - 07, SCC - 08, SCC - 09 लेना अनिवार्य है। 2. विषय समूह SEC - 03 (i), SEC - 03 (ii), SEC - 03 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है। 3. SGEC-01 (i) (ii) विषय इस अध्ययनशाला से इतर अध्ययनशालाओं के विद्यार्थी ले सकेंगे।

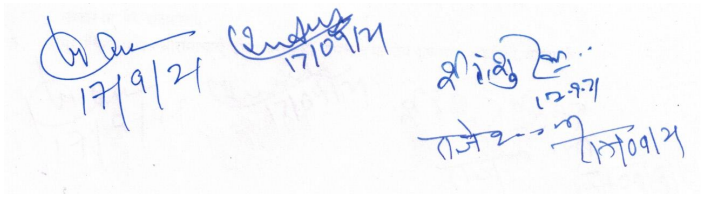

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र -SCC - 07

प्रश्नपत्र का शीर्षक – साहित्यशास्त्र

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्यशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्यशास्त्र के प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित विविध काव्यशास्त्रीय विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र के प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित विविध काव्यशास्त्रीय विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **काव्यालङ्कार – भामह (प्रथम परिच्छेद)**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –2 **काव्यप्रकाश – मम्मट (पञ्चम तथा षष्ठ उल्लास)**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –3 **काव्यप्रकाश – सप्तम उल्लास से रसदोष**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **काव्यप्रकाश – अष्टम उल्लास**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 **काव्यप्रकाश – नवम उल्लास,**

दशम उल्लास के अधोलिखित अलङ्कारों के लक्षण तथा उदाहरण

उपमा (भेदरहित), अनन्वय, उत्प्रेक्षा, रूपक, अपह्नुति, समासोक्ति, निदर्शना,अप्रस्तुतप्रशंसा, अतिशयोक्ति, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति, दृष्टान्त, दीपक, व्यतिरेक, स्वभावोक्ति,संसृष्टि, सङ्कर ।

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1.काव्यालङ्कार – भामह ;

2. काव्यप्रकाश – मम्मट ;

3.भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. सत्यदेव चौधरी ,

4. भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ. गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SCC - 08

प्रश्नपत्र का शीर्षक – नाट्यशास्त्र

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नाट्यशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नाट्यशास्त्र के प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित विविध नाट्यशास्त्रीय विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी नाट्यशास्त्र मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी नाट्यशास्त्र के प्रतिनिधि ग्रन्थों में निरूपित विविध नाट्यशास्त्रीय विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **प्रमुख नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ एवं चिन्तक**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –2 **नाट्यशास्त्र (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) - भरतमुनि**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –3 **नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय) - भरतमुनि**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **दशरूपक (प्रथम प्रकाश, सन्धिभेद छोडकर) - धनञ्जय**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 **दशरूपक (द्वितीय प्रकाश) - धनञ्जय**
(नायक और नायिका के सामान्य भेद)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. संस्कृत आलोचना – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. नाट्यशास्त्र – भरतमुनि, सम्पादक – बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. नाट्यशास्त्र बृहत्कोश – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
4. भारतीय साहित्यशास्त्रकोश – डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
5. दशरूपक – धनञ्जय, सम्पादक – श्रीनिवास शास्त्री
6. दशरूपक - धनञ्जय, सम्पादक - डॉ.केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन,वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SCC - 09

प्रश्नपत्र का शीर्षक – महाकाव्य

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत महाकाव्यों के स्वरूप तथा वैशिष्ट्य से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के प्रतिनिधि महाकाव्यों की परम्परा तथा तत्तत् ग्रन्थों में वर्णित विविध काव्यसौन्दर्याधायक विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्यों के स्वरूप तथा वैशिष्ट्य की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के प्रतिनिधि महाकाव्यों की परम्परा तथा तत्तत् ग्रन्थों में वर्णित विविध काव्यसौन्दर्याधायक विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **बुद्धचरित - (प्रथम सर्ग) अश्वघोष**
दो पद्यों की विकल्प सहित व्याख्या एवं रघुवंश पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **रघुवंश – (पञ्चम सर्ग) कालिदास**
दो पद्यों की विकल्प सहित व्याख्या एवं रघुवंश पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **शिशुपालवध – (प्रथम सर्ग) माघ**
दो पद्यों की विकल्प सहित व्याख्या एवं शिशुपालवध पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **विक्रमाङ्कदेवचरितम् - (प्रथम सर्ग) बिल्हण**
दो पद्यों की विकल्प सहित व्याख्या एवं विक्रमाङ्कदेवचरित पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **महाकाव्य का स्वरूप एवं महाकाव्यों के उद्भव और विकास पर एक प्रश्न**

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. शिशुपालवध – माघ, डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी
2. शिशुपालवध – माघ, हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. रघुवंश – कालिदास, व्ही. वेलणकर, चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली
4. विक्रमाङ्कदेवचरितम् - बिल्हण, डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
5. संस्कृत कविदर्शन – डॉ. भोलाशङ्कर व्यास
6. संस्कृत सुकवि समीक्षा – आचार्य बलदेव उपाध्याय
7. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा – डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
8. बुद्धचरित - अश्वघोष , चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 03 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – निबन्ध, अनुवाद एवम् अपठित गद्य-पद्य

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत निबन्ध, अनुवाद एवम् अपठित गद्य-पद्य के स्वरूप तथा वैशिष्ट्य से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत निबन्ध-लेखन ,अनुवाद-प्रक्रिया एवम् अपठित गद्य-पद्यों के निदर्शनों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत निबन्ध, अनुवाद एवम् अपठित गद्य-पद्य के स्वरूप तथा वैशिष्ट्य की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत निबन्ध-लेखन ,अनुवाद-प्रक्रिया एवम् अपठित गद्य-पद्यों के निदर्शनों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **संस्कृत निबन्ध**

इकाई –2 **अनुवाद – संस्कृत से हिन्दी में**

इकाई –3 **अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत में**

इकाई – 4 **अपठित संस्कृत गद्य की व्याख्या**

इकाई –5 **अपठित संस्कृत पद्य की व्याख्या**

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. बृहद् अनुवादचन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल
2. प्रौढरचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृतनिबन्धशतकम् – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. संस्कृतनिबन्धावलि – डॉ. रामजी उपाध्याय
5. संस्कृतनिबन्धचन्द्रिका – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 03 (ii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – पुरालिपि एवम् अभिलेख

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत में लेखन कला की प्राचीनता, ब्राह्मीलिपि की उत्पत्ति के सिद्धान्त, ब्राह्मीलिपि तथा उससे विकसितलिपियों, अभिलेखों के प्रकार तथा लेखन सामग्री, अभिलेखों का महत्त्व, अभिलेखों में प्रयुक्त भाषाओं से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अशोक, मौर्योत्तरकाल, गुप्तकाल तथा गुप्तोत्तरकाल के अभिलेखों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारत में लेखन कला की प्राचीनता, ब्राह्मीलिपि की उत्पत्ति के सिद्धान्त, ब्राह्मीलिपि तथा उससे विकसितलिपियों, अभिलेखों के प्रकार तथा लेखन सामग्री, अभिलेखों का महत्त्व, अभिलेखों में प्रयुक्त भाषाओं की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अशोक, मौर्योत्तरकाल, गुप्तकाल तथा गुप्तोत्तरकाल के अभिलेखों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **भारत में लेखन कला की प्राचीनता, ब्राह्मीलिपि की उत्पत्ति के सिद्धान्त, ब्राह्मीलिपि के स्पष्टीकरण का इतिहास, ब्राह्मीलिपि तथा उससे विकसितलिपियों का सामान्य परिचय**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **भारत में पुरातत्त्व का इतिहास एवं विकास, अभिलेखों के प्रकार तथा लेखन सामग्री, अभिलेखों का महत्त्व, अभिलेखों में प्रयुक्त भाषाएँ**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **अशोक के अभिलेखों का सामान्य परिचय, मौर्योत्तरकाल के अधोनिर्दिष्ट अभिलेखों का सामान्य परिचय -**

खारवेल का हाथीगुम्फा - अभिलेख, कनिष्क के शासन वर्ष 3 का सारनाथ बौद्ध प्रतिमालेख, नहपानकालीन नासिकगुहा अभिलेख (वर्ष 41, 42, 45), रुद्रदामन् का गिरनार शिलालेख

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **गुप्तकाल के अधोनिर्दिष्ट अभिलेखों का सामान्य परिचय -**

समुद्रगुप्त का प्रयाग स्तम्भ लेख, कुमारगुप्त प्रथम का तन्तुवायश्रेणि का मन्दसौर शिलालेख, स्कन्दगुप्त का जूनागढ़ शिलालेख, तोरमाण का एरणवराहमूर्तिलेख, मिहिरकुल का ग्वालियर अभिलेख

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **गुप्तोत्तरकाल के अधोनिर्दिष्ट अभिलेखों का सामान्य परिचय,**

ईशानवर्मन् का हडहा अभिलेख, हर्ष का बांसखेडा ताम्रपट्ट अभिलेख, पुलकेशी द्वितीय का ऐहोल शिलालेख, गुर्जर-प्रतिहार मिहिर भोज की ग्वालियर प्रशस्ति

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. भारतीय प्राचीनलिपिमाला - रायबहादुर पण्डित गौरीशङ्कर हीराचन्द ओझा, संशोधन सम्पादन - डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू' राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 2016
2. भारतीय पुरालिपि - राजबलि पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. प्राचीन भारतीय पुरातत्त्व अभिलेख एवां मुद्राएँ - डॉ. नीहारिका, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. अशोक के अभिलेख - राजबलि पाण्डेय, मुंशीराम - मनोहरलाल, दिल्ली
5. भारतीय पुरालेखों का अध्ययन - डॉ शिवस्वरूप सहाय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6. प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख (खण्ड 1 एवं 2) - डॉ. परमेश्वरीलाल गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (पञ्चम खण्ड - गद्य) - प्रधान सम्पादक - आचार्य बलदेव उपाध्याय, सम्पादक - प्रो. जयमन्त मिश्र, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
8. प्राचीन भारतीय अभिलेख - डॉ. दिनेश चन्द्रा, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
9. अभिलेखनिकरः - डॉ. उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
10. अभिलेखमाला - पं. रमाकान्त झा एवं पं. हरिहर झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

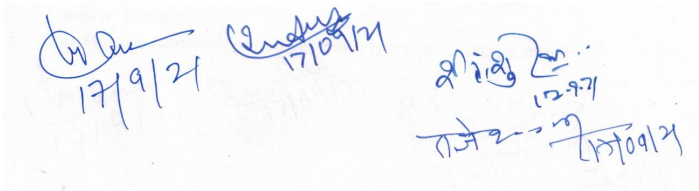

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 03 (iii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – पाणिनि, साङ्ख्य एवं वैशेषिक दर्शन

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- **इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाणिनि, साङ्ख्य एवं वैशेषिक दर्शन की परम्परा से परिचित कराना है ।**
- **इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाणिनि, साङ्ख्य एवं वैशेषिक दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।**

Course outcomes :

- **इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी पाणिनि, साङ्ख्य एवं वैशेषिक दर्शन की परम्परा की व्याख्या कर सकेंगे ।**
- **इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी पाणिनि, साङ्ख्य एवं वैशेषिक दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।**

इकाई – 1 **पाणिनि दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –2 **पाणिनि दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –3 **साङ्ख्य दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **साङ्ख्य दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 **वैशेषिक दर्शन** (सर्वदर्शन सङ्ग्रह)
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. सर्वदर्शन सङ्ग्रह - डॉ. उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन - आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
3. भारतीय दर्शन - डॉ. जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SGEC - 01 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – संस्कृत में विज्ञान

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत ग्रन्थों निहित में विज्ञान की परम्परा से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत ग्रन्थों निरूपित में विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्तों तथा तत्तत् ग्रन्थों में निरूपित वैज्ञानिक तथ्यों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत ग्रन्थों निहित में विज्ञान की परम्परा की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत ग्रन्थों निरूपित में विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्तों तथा तत्तत् ग्रन्थों में निरूपित वैज्ञानिक तथ्यों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **गणितशास्त्र तथा कालगणना**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **खगोलविज्ञान तथा ध्वनिविज्ञान**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **वनस्पतिशास्त्र तथा प्राणिविज्ञान**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **रसायनशास्त्र तथा स्वास्थ्य विज्ञान**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **स्थापत्यशास्त्र तथा यन्त्रविज्ञान**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60+ **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. भारत में विज्ञान की उज्ज्वल परम्परा - सुरेश सोनी, अर्चना प्रकाशन, भोपाल
2. संस्कृत में विज्ञान - डॉ. विद्याधर शर्मा गुलेरी, संस्कृत भारती, नई दिल्ली
3. प्राचीन भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी - सङ्कलन - विज्ञान भारती, मुम्बई
4. वैदिक गणित - जगद्गुरुस्वामी श्रीभारतीकृष्णतीर्थ, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
5. भारतस्य विज्ञानपरम्परा - सङ्कलन - संस्कृतभारती, नई दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

2021-22

नवीन शिक्षा नीति २०२० के अनुरूप

संस्कृत

CBCS PATTERN

SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT, JYOTIRVIGYAN & VED
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER-IV [M.A. SANSKRIT]
CBCS PATTERN

SUBJCET CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	TOTAL MARKS
	SCC-10	व्याकरण	05	5 Hrs.	60	40	100
	SCC-11	रूपक	05	5 Hrs.	60	40	100
	SCC-12	गद्य, पद्य तथा चम्पू	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC-04	(i) विशेष कवि कालिदास	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC-04	(ii) योगदर्शन	05	5 Hrs.	60	40	100
	SEC-04	(iii) दर्शनशास्त्र का इतिहास	05	5 Hrs.	60	40	100
	SGEC-02	(i) संस्कृतसम्भाषण एवम् अनुप्रयोग	04	4 Hrs.	32	48	80
	SGEC-02	(ii) MOOCs (SWAYAM)	04	4 Hrs.	32	48	80
	EDC-04	Tourism Management	04	2 Hrs.	48	32	80
	P-04	Institutional Visit (Practical)	02	2 Hrs.			40
	SVV-04	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	04				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (SCC). CORE ELECTIVE COURSE (SEC)

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD) COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (SVV) **नोट - १. विषय समूह SCC - 10, SCC - 11, SCC - 12 लेना अनिवार्य है। २. विषय समूह SEC - 04 (i), SEC - 04 (ii), SEC - 04 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है। 3. SGEC-02 (i) (ii) विषय इस अध्ययनशाला से इतर अध्ययनशालाओं के विद्यार्थी ले सकेंगे।**

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र –2021-22 प्रश्नपत्र - SCC - 10

प्रश्नपत्र का शीर्षक – व्याकरण

कुल अङ्क 60 **(क्रेडिट** 05 **)**

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्याकरणशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्याकरणशास्त्र की सञ्ज्ञा, परिभाषा तथा कारक - इन विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र की सञ्ज्ञा, परिभाषा तथा कारक - इन विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **सञ्ज्ञा तथा परिभाषाप्रकरण - सिद्धान्तकौमुदी**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 **कारकप्रकरण - सिद्धान्तकौमुदी** (प्रथमा से तृतीया विभक्ति पर्यन्त)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 **कारकप्रकरण - सिद्धान्तकौमुदी** (चतुर्थी से सप्तमी विभक्ति पर्यन्त)
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 **समासप्रकरण - लघुसिद्धान्तकौमुदी**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **तद्धित प्रत्यय – साधारण प्रत्यय, अपत्याधिकार मत्वर्थीय तथा स्त्रीप्रत्यय - लघुसिद्धान्तकौमुदी**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. सिद्धान्तकौमुदी - भट्टोजि दीक्षित
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी - वरदराज

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र -2021-22 प्रश्नपत्र - SCC - 11

प्रश्नपत्र का शीर्षक – रूपक

कुल अङ्क 60 **(क्रेडिट** 05 **)**

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नाट्यसाहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नाट्यसाहित्य की प्रतिनिधि कृतियों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी नाट्यसाहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी नाट्यसाहित्य की प्रतिनिधि कृतियों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **मृच्छकटिकम् - शूद्रक** (प्रथम तथा चतुर्थ अङ्क)

विकल्प सहित व्याख्या एवं मृच्छकटिक पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 **वेणीसंहार - भट्टनारायण** (प्रथम तथा तृतीय अङ्क)

विकल्प सहित व्याख्या एवं वेणीसंहार पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 **मुद्राराक्षस - विशाखदत्त** (प्रथम अङ्क)

विकल्प सहित व्याख्या एवं मुद्राराक्षस पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 **रत्नावली - हर्ष** (प्रथम अङ्क)

विकल्प सहित व्याख्या एवं रत्नावली पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 5 **प्रमुख नाट्यकृतियों का परिचय**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. मृच्छकटिक - शूद्रक
2. वेणीसंहार - भट्टनारायण
3. रत्नावली - हर्ष
4. मुद्राराक्षस - विशाखदत्त
5. संस्कृत नाटक - ए.बी.कीथ
6. संस्कृत नाटक - कान्तकिशोर भरतिया
7. संस्कृत कविदर्शन - भोलाशंकर व्यास
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र - 2021-22 प्रश्नपत्र - SCC - 12

प्रश्नपत्र का शीर्षक – गद्य, पद्य तथा चम्पू

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के गद्य, पद्य तथा चम्पू - इन विधाओं की प्रतिनिधि कृतियों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकें
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के गद्य, पद्य तथा चम्पू - इन विधाओं की प्रतिनिधि कृतियों से व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **कादम्बरी (उज्जयिनीवर्णन) - बाणभट्ट तथा दशकुमारचरितम् (अष्टम उच्छ्वास) - दण्डी**

विकल्प सहित व्याख्या एवं कादम्बरी तथा दशकुमारचरित पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 **रघुवंशम् (त्रयोदश सर्ग) - कालिदास**

विकल्प सहित व्याख्या एवं रघुवंश पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 **नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) - श्रीहर्ष**

विकल्प सहित व्याख्या एवं नैषधीयचरित पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 **नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास) - त्रिविक्रमभट्ट**

विकल्प सहित व्याख्या एवं नलचम्पू पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 5 **गद्य, पद्य और चम्पू काव्यों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. कादम्बरी - बाणभट्ट
2. रघुवंशम् - कालिदास
3. नैषधीयचरितम् - श्रीहर्ष, डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. नलचम्पू - त्रिविक्रमभट्ट
5. दशकुमारचरितम् - दण्डी
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्याय
7. संस्कृत कवि दर्शन - डॉ. भोलाशंकर व्यास
9. संस्कृत सुकवि समीक्षा - पं. बलदेव उपाध्याय

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र -2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 04 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – विशेष कवि कालिदास **कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)**

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के कविकुलगुरु कालिदास की कृतियों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य के प्रतिनिधि महाकाव्य ,खण्डकाव्य तथा रूपकों की समीक्षा से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के कविकुलगुरु कालिदास की कृतियों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के प्रतिनिधि महाकाव्य ,खण्डकाव्य तथा रूपकों की समीक्षा कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **रघुवंशम् (चतुर्दश सर्ग)**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 **ऋतुसंहारम्**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 **मालविकाग्निमित्रम्**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 **विक्रमोर्वशीयम्**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 5 **कालिदास की सभी कृतियों पर आधारित**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1.कालिदास ग्रन्थावली - आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी 2.कालिदास - श्री वासुदेव विष्णु मिराशी

3.कालिदास - श्री चन्द्रबली पाण्डेय 4.कालिदास मीमांसा - डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 04 (ii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – योगदर्शन

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को योगदर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को योगशास्त्र के साहित्य की प्रतिनिधि कृतियों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी योगदर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी योगशास्त्र के साहित्य की प्रतिनिधि कृतियों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **चित्तभूमि तथा चित्तवृत्तियाँ**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 **ईश्वर का स्वरूप**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 **योगाङ्ग परिचय**

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 **योगदर्शन का स्वरूप एवं प्रमुख सिद्धान्त**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 5 **योगदर्शन के प्रमुख आचार्य एवं उनके ग्रन्थ**

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. भारतीय दर्शन - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन - डॉ. जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. पातञ्जल योगसूत्र - व्यासभाष्य सहित, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) संस्कृत

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - SEC - 04 (iii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – दर्शनशास्त्र का इतिहास

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को दर्शनशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को दर्शनशास्त्र के इतिहास से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी दर्शनशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी दर्शनशास्त्र के इतिहास की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 दर्शन का अर्थ, भारतीय दर्शन का वर्गीकरण, दर्शन का उद्भव एवं विकास

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –2 न्याय एवं वैशेषिक दर्शन

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –3 सांख्य और योग दर्शन

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 मीमांसा और वेदान्त दर्शन

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 चार्वाक, जैन और बौद्ध दर्शन

विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. भारतीय दर्शन का इतिहास - डॉ. एस.एन. दासगुप्त, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादेमी, जयपुर
2. भारतीय दर्शन का इतिहास - डॉ. नरेन्द्र देव सिंह तथा डॉ. हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. भारतीय धर्म और दर्शन - पं. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा, औरंटालिया, वाराणसी
4. भारतीय दर्शन - भारवेशकुमार मिश्र तथा सच्चिदानन्द त्रिपाठी, शिवांक प्रकाशन, नई दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर)

CBCS PATTERN

सत्र – 2020 -21 प्रश्नपत्र - SGEC - 02 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – संस्कृत सम्भाषण एवम् अनुप्रयोग

कुल अङ्क 32 (**क्रेडिट** 04)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत सम्भाषण के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत सम्भाषण एवम् अनुप्रयोगों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत सम्भाषण के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत सम्भाषण एवम् अनुप्रयोगों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी**
अभ्यास 1 - 2

इकाई - 2 **प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी**
अभ्यास 3 - 4

इकाई - 3 **प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी**
अभ्यास 5 - 6

इकाई - 4 **प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी**
अभ्यास 7 - 8

इकाई - 5 **प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी**
अभ्यास 9 - 10

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 32 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 48 = **कुल अङ्क** = 80

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी